

an>

Title: Need to accord approval for construction of Ramayan complex at Chitrakoot, Uttar PRadesh.

**श्री गणेश शिंह (सतना) :** माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको बहुत बहुत धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे यहां एक अति महत्वपूर्ण विषय उठाने की अनुमति दी है। मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय केन्द्र सरकार के द्वाना में ताना चाहता हूं। भगवान् श्रीराम का जीवन वरित्र जिसका वर्णन रामायण महाकाव्य में लिपिबद्ध है, त्रेता सुग्रीव में भगवान् श्रीराम की कथा का पूरा जीवन दर्शन बताया गया है तथा पूरी दुर्गिया को पता है कि भगवान् श्रीराम ने अपने चौटह वर्ष के बनवास के समय में ये सांकेतिक वर्ष वित्रकूट में विताये थे। आज भी वहां उनकी महिमा कर्ण-कर्ण में विराजमान है। लाखों लोग वहां आते-जाते हैं। भगवान् श्रीराम का जीवन-दर्शन लोग बहुत ही नजदीक से देखना चाहते हैं। श्रीराम को सिर्फ भगवान् के रूप में न देखते हुए, उनके आदर्श जीवन का अनुपालन करना हर मानव के लिए आज जरूरी है। उन सभी घटनाक्रमों को रामायण महाकाव्य की चौपाइयों के साथ, उनकी आकृति-चिन्हों सहित, एक रामायणम परिसर बनाये जाने की मांग काफी लम्बे समय से की जा रही है। कुरुक्षेत्र में महाभारत तथा वित्रकूट में रामायण दोनों का ऐतिहासिक परिसर वहां बनाना आवश्यक है। पर्यटन एवं सांस्कृतिक टॉर्टिकोन से यह अत्यंत उपयोगी होगा। मैं आपके माध्यम से पर्यटन मंत्रालय से मांग करता हूं कि वह अविलम्ब इस प्रोजेक्ट की स्वीकृति दे ताकि वहां पर एक नया रामायणम परिसर विकसित हो सके।

**माननीय अध्यक्ष :**

श्री गैरें प्रसाद मिश्र और

डॉ. किरिट पी.सोंकरी को श्री गणेश शिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।